इंवेस्ट नार्थ 2013 अंतिम दिवस

उत्तर प्रदेश सरकार के आह्वान पर निवेशकों का सकारात्मक रूख

उद्योग बन्धु में शुरू होगा उद्यमियों की समस्याओं के निदान को 24x7 कॉल सेन्टर

नई दिल्ली/लखनऊ, अगस्त 27, 2013:

सीआईआई द्वारा आयोजित निवेश सम्मेलन 'इंवेस्ट नार्थ 2013' का दूसरा एवं अंतिम दिन उत्तर प्रदेश के लिए काफी लाभदायक सिद्ध हुआ। राज्य सरकार के उच्चाधिकारियों द्वारा निवेशकों के साथ प्रक्रियाओं के सरलीकरण तथा उद्योगों को उपलब्ध सुविधाओं व रियायतों पर सार्थक संवाद के फलस्वरूप विभिन्न क्षेत्रों में कई निवेश प्रस्तावों पर चर्चा हुई। इनमें प्रमुख रूप से सूचना प्रोद्यौगिकी (आईटी), आईटी आधारित सेवाएं, इलेक्ट्रॉनिक्स, वेअरहाउसिंग, लॉजिस्टिक्स, कौशल विकास व ऑटो पार्ट्स आदि की इकाइयां सम्मिलित हैं।

उद्योगों की समस्याओं के निराकरण के लिए **प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग (आईआईडीडी) डा. सूर्य प्रताप सिंह ने कहा** कि ***उद्योग बन्धु में एक 24x7 कॉल सेन्टर शुरू किया जाएगा, जिसे गृह विभाग से भी जोड़ा जाएगा, जिससे कानून एवं व्यवस्था से संबंधित प्रकरणों में तत्काल कार्यवाई हो सके।***

प्रमुख सचिव, आईआईडीडी, डा. सूर्य प्रताप सिंह आज दस निवेशकों से मिले जबकि कल तेरह उद्यमियों ने **अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, आलोक रंजन** की अध्यक्षता में सम्पन्न बैठक में भाग लिया था।

राज्य सरकार के सकारात्मक रुख तथा औद्योगिक विकास के प्रति गम्भीरता से उत्साहित होकर इन उद्यमियों ने उत्तर प्रदेश में इकाइयां स्थापित करने में रुचि दिखाई तथा जो उद्यमी पहले से प्रदेश में स्थापित हैं, उन्होंने अपनी समस्याएं बताईं।

इस सम्पर्क सत्र में जिन कम्पनियों ने भाग लिया, उनमें *एलजी इन्टरनेशनल, ऑरेकल, हिन्द टर्मिनल्स, इण्डिया इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड सेमीकन्डक्टर एसोसिएशन, डेल्फी, पीटीसी इण्डस्ट्रीज़* आदि सम्मिलित थीं।

सैमसंग जो नोएडा में अपनी इकाई को 100 मिलियन अमरीकी डॉलर के निवेश से विस्तारित करने पर विचार कर रहा है और **ऑटोमीटर एलाएंस लि.** जो रु 500 करोड़ का रेलरोड और मल्टी–मोडल रैपिड ट्रांज़िट सिस्टम में उच्च तकनीक से आवश्यक हिस्सों का उत्पादन करने में निवेश करने का मन बना रहा है, के अतिरिक्त **हिन्द टर्मिनल्स** ने लगभग रु 300 करोड़ के निवेश से लॉजिस्टिक्स एवं वेअरहाउसिंग के विकास हेतु भूमि की उपलब्धता की जानकारी चाही।

ऑरेकल ने प्रदेश के स्कूलों, विश्वविद्यालयों तथा तकनीकी संस्थानों में तकनीकी शिक्षा तथा सॉफ्टवेयर डवलपमेंट का प्रशिक्षण देने के लिए एक योजना प्रारम्भ करने की मंशा व्यक्त की। सहमति हुई कि नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा में एक पायलट परियोजना जल्द ही शुरू की जा सकती है।

इण्डिया इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड सेमीकन्डक्टर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2020 तक भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का बाजार 400 बिलियन अमरीकी डालर तक पहुंच जाएगा, जिसके लिए स्वदेशी उत्पादन इकाइयां स्थापित की जानी चाहिए। इस संस्था ने राज्य में एक इलेक्ट्रॉनिक पार्क विकसित करने की इच्छा जताई, जिस पर निर्णय लिया गया कि वे अपना प्रस्ताव उद्योग बन्धु को भेजें तथा साथ ही साथ भारत सरकार की योजना में वित्तीय सहायता के लिए भी आवेदन करें।

एलजी इंटरनेशनल के प्रबन्धक–निवेश व व्यवसाय, अर्पित रसवन्त ने दक्षिण कोरियाई कम्पनी के उच्चाधिकारियों के साथ वेअरहाउसिंग तथा फोटावोल्टेयिक सेल निर्माण का ठोस प्रस्ताव लेकर आने का वादा किया।

———————